JAGRAN CITY PAGE III

लवि : कर्मयोगी योजना में 245 विद्यार्थी चयनित

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ कर्मयोगी इंटर्नशिप के लिए चयनित विद्यार्थी ● सौजन्य : लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन-हाउस पेड इंटर्नशिप कार्यक्रम 'कर्मयोगी' के दूसरे चरण के परिणाम शुक्रवार को जारी कर दिए। इस बार 245 छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया था। स्क्रीनिंग के बाद 50 का चयन किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने चयनित विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित कर बधाई दी। कहा कि चयनित छात्र-छात्राओं को न केवल पेशेवर कौशल में उत्कृष्टता हासिल होगी, बल्कि वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने से उनका मनोबल भी बढ़ेगा।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत 50 दिनों के लिए प्रतिदिन दो घंटे कार्य करने का प्रविधान है। इसके लिए 150 रुपये प्रतिघंटा की दर से 15,000 रुपये तक की धनराशि अर्जित कर सकते हैं। दूसरे चरण के चयनित विद्यार्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अतिरिक्त डीन छात्र कल्याण डा. अलका मिश्रा, प्रो. संगीता साहू और प्रो. अमृतांशु शुक्ला ने चयनित विद्यार्थियों को ओरिएंटेशन दिया और उन्हें अपने संबंधित कार्यस्थल में काम के विषय में जानकारी दी।

केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में बीकाम के सर्वाधिक आवेदन : लवि की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कालेजों को 15 जून तक मौका दिया गया है। अभी तक करीब 62 कालेज इससे जुड़े चुके हैं। सबसे ज्यादा 35 कालेजों ने नई शिक्षा नीति के तहत बीकाम (एनईपी) के लिए आवेदन किया है। वहीं, बीए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 10 कालेज जुड़े हैं। विश्वविद्यालय ने वेबसाइट पर कालेज और कोर्सवार सीटों का विवरण अपलोड किया है। लवि केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया के तहत सहभागिता शुल्क जमा करने वाले कालेजों में काउंसिलिंग के माध्यम से दाखिले करेगा। प्रवेश सेल के मुताबिक अभी तक कालेजों की संख्या 62 पहुंच गई है। इनमें बीए के लिए 6,480 सीटें, बीकाम की 4,220 सीटें, बीएससी मैथ की 1,740 सीटें शामिल हैं। वहीं, एलएलबी तीन और पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए जुड़े 12 कालेजों में 800 सीटें, बीसीए में 780 सीटें और बीबीए में 1370 सीटों का विवरण अपलोड किया है।

NBT PAGE 6

अपनी कमाई से छात्रों ने भरी फीस

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहीं किसान की बेटी सुजाता ने एलयू की कर्मयोगी योजना के लिए आवेदन किया था और हर रोज एलयू में दो घंटे काम कर अपने छात्रावास की फीस भरी। सुजाता की तरह इस योजना के तहत चयनित विद्यार्थी विवि में हर दिन दो घंटे के लिए नौकरी करके 150 रुपये कमाते हैं। एक शैक्षणिक सत्र में अधिकतम 15,000 रुपये कमाने की इजाजत है। शुक्रवार को एलयू की ओर से इस योजना के तहत चयनित पहले बैच के विद्यार्थियों को अनुभव प्रमाण पत्र दिए गए।

50 विद्यार्थियों का हुआ था चयन

एलयू प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सुजाता की तरह आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वाले कई विद्यार्थियों ने इस योजना से एलयू के लिए काम करके अपने परिवारों की मदद की है। लखनऊ यूनिवर्सिटी ने कर्मयोगी योजना के तहत पिछले साल 245 आवेदकों में से 50 विद्यार्थियों को चयनित किया था।

सुजाता को सौंपा टाइपिस्ट का काम

सुजाता ने बताया कि उनके पिता सर्वदेव सिंह गाजीपुर में एक छोटे किसान हैं। मेरी टाइपिंग स्पीड अच्छी थी तो मुझे एलयू की हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी में टाइपिस्ट का काम सौंपा गया। जहां मैंने प्रतिदिन लगभग दो घंटे काम किया और 15,000 रुपये कमाए। वहीं एमए (राजनीति विज्ञान) की छात्रा प्रतिभा वर्मा के पिता निजी कूरियर कंपनी में काम करते हैं। लंबे समय से बीमार हैं। कर्मयोगी योजना के लिए चुने जाने के बाद मैंने हर रोज 150 रुपये एलयू में काम करके कमाए जो काम आए हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

पढ़ाई के साथ प्रति घंटा डेढ़ सौ रुपये कमाएंगे

- कर्मयोगी के दूसरे चरण में 50 छात्रों का चयन
- 245 छात्राओं ने आवेदन किया था इसके लिए

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन-हाउस पेड इंटर्नशिप कार्यक्रम कर्मयोगी के दूसरे चरण के परिणामों की घोषणा कर दी है। इसके लिए 245 छात्रों ने आवेदन किया था और स्क्रीनिंग के बाद 50 छात्रों का चयन किया गया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कर्मयोगी योजना के तहत इन-हाउस इंटर्नशिप शुरू की थी। शुक्रवार को दूसरे चरण के चयनित छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पिछले साल 'कर्मयोगी' योजना शुरू की गई थी। पहले चरण के छात्र-छात्राओं को 15000 रुपये की राशि के साथ कार्य अनुभव प्रमाण पत्र दिया गया था। इस योजना के अंतर्गत 50 दिनों के लिए प्रति दिन दो घंटे की सीमा के साथ 150 रुपये प्रतिघंटा की दर से 15000 रुपये तक की धनराशि अर्जित कर सकते हैं। आवेदनों की जांच के लिए समिति गठित है। इसमें छात्रों का भी एक प्रतिनिधि शामिल है।

शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए 15 तक आवेदन करें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए योग्य महिला शोधार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। छात्रवृत्ति की शुरुआत पिछले साल कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने की थी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून रखी गई है। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति की संख्या तथा चुनाव विशेष रूप से बनाई गई समिति द्वारा तय होगी।

लवि के विद्यार्थियों ने किया जागरूक

लवि के वन्यजीव विज्ञान संस्थान की ओर से निकाली गई रैली में शामिल छात्र ● लवि

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वन्यजीव विज्ञान संस्थान ने जैव विविधता बोर्ड के सहयोग से शुक्रवार को विश्व साइकिल दिवस मनाया।

इस अवसर पर जनेश्वर मिश्र पार्क से राम मनोहर लोहिया पार्क तक लोगों ने साइकिल चलाई। इसमें छात्र-छात्राओं से लेकर आम नागरिक भी शामिल रहे। कार्यक्रम में कृष्णानंद शर्मा, प्रो. अमिता कनौजिया, डा. आदेश कुमार, शोधार्थी ज्योति अंतिल, प्रशांत त्रिपाठी व शिवांशु राठौर भी उपस्थित रहे।

PIONEER PAGE 3

कर्मयोगी योजना का रिजल्ट जारी, 50 छात्र चयनित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने इन-हाउस पेड इंटर्नशिप कार्यक्रम कर्मयोगी के दूसरे चरण के परिणामों की घोषणा कर दी है। इसके लिए 245 छात्रों ने आवेदन किया था और स्क्रीनिंग के बाद 50 छात्रों का चयन किया गया है। कर्मयोगी छात्र-छात्राओं के समग्र विकास के लिए कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के नेतृत्व में शुरू किए गए इन-हाउस इंटर्नशिप कार्यक्रमों में से एक है। जिससे छात्र विश्वविद्यालय परिसर में ही सीखने के साथ अंशकालिक काम करके कमा सकें व श्रम के महत्व को समझें। इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि कर्मयोगी योजना से युवाओं को सर्वश्रेष्ठ बनने में मदद मिलेगी। इस योजना से चयनित छात्र-छात्राओं को न केवल पेशेवर कौशल मे उत्कृष्टता हासिल होगी, अपितु वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने से उनका मनोबल भी बढ़ेगा। अधिषठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि पिछले साल कर्मयोगी योजना शुरू की गई थी और पहले चरण में चयनित छात्रों को इसका लाभ मिल चुका है और उन्हें 15000 रुपये की राशि के साथ कार्य अनुभव प्रमाण पत्र दिया जा चुका है ।

SWATANTRA BHARAT PAGE 5

लविवि : इन-हाउस पेड इंटर्नशिप में स्क्रीनिंग के बाद छात्र चयनित

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन-हाउस पेड इंटर्नशिप कार्यक्रम कर्मयोगी के दूसरे चरण के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इन-हाउस पेड इंटर्नशिप के लिए 245 छात्रों ने आवेदन किया था। स्क्रीनिंग के बाद 50 छात्रों का चयन किया गया।

शुक्रवार को दूसरे चरण के चयनित छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि कर्मयोगी योजना से चयनित छात्र-छात्राओं को न केवल पेशेवर कौशल में उत्कृष्टता हासिल मिलेगी, बल्कि वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने से उनका मनोबल भी बढ़ेगा। कर्मयोगी योजना के तहत इन-हाउस इंटर्नशिप शुरू की थी।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पहले चरण के छात्र-छात्राओं को 15000 रुपये की राशि के साथ कार्य अनुभव प्रमाण पत्र दिया गया था। इस योजना के अंतर्गत 50 दिनों के लिए प्रति दिन दो घंटे की सीमा के साथ 150 रुपये प्रतिघंटा की दर से 15000 रुपये तक की धनराशि अर्जित कर सकते हैं। आवेदनों की जांच के लिए समिति गठित है। इसमें छात्रों का भी एक प्रतिनिधि शामिल है। पिछले साल कर्मयोगी योजना शुरू की गई थी।

पचास दिनों में दो घंटा कम कर पंद्रह हजार कमाएंगे इंटर्न

ब्योरा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। चयनित छात्र-छात्राओं को जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो उमेश राय, क्लस्टर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बेचन लाल, डीन साइंस प्रो बृजेंद्र सिंह ने थमाई दी।

FIRST INDIA PAGE 13

LU announces results of Karmayogi phase-II

CITY FIRST

LU VC Alok Kumar Rai, other professors with students who qualified the in-house paid internship program

The University of Lucknow has announced the results for phase 2 of the in-house paid internship program " Karmyogi". For this 245 students had applied and after the screening, 50 students have been selected.

Karmyogi scheme started under the visionary leadership of Vice Chancellor Prof Alok Kumar Rai for the holistic development of the students so that students can earn by part-time work, on the University campus itself, while learning and understanding the importance of hard work.

Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai congratulated the selected students and said that the scheme will help in bringing out the best in the young minds. The scheme will benefit these students not only in honing their soft and professional skills but will also boost their morale towards financial independence.

Dean Students' Welfare Prof Poonam Tandon told that the 'Karmayogi' scheme was floated last year and students selected in the first phase have already benefitted through it and have been presented work experience certificate along with the amount of Rs. 15,000 for 50 days of work @ Rs. 150 per hour with a limit of 2 hours per day of work.

A committee was duly formed by the Vice-Chancellor to examine the applications received. VC had specially appointed a student representative to the committee to maintain transparency. The result are now uploaded on the University website.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कर्मयोगी योजना में 50 और छात्र चयनित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन हाउस पेड इंटर्नशिप कार्यक्रम कर्मयोगी के दूसरे चरण के परिणामों की शुक्रवार को घोषणा की। इसके लिए 245 छात्रों ने आवेदन किया था। स्क्रीनिंग के बाद 50 छात्रों का चयन किया गया। इन्हें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डीएसडब्ल्यू कार्यालय में सेलेक्शन लेटर व पूर्व के चयनित छात्रों को अनुभव प्रमाणपत्र दिया। इस अवसर पर प्रो. राय ने कहा कि कर्मयोगी योजना से युवाओं को सर्वश्रेष्ठ बनने में मदद मिलेगी। डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पिछले साल कर्मयोगी योजना शुरू की गई थी। पहले चरण में चयनित छात्रों को इसका लाभ

चयनित विद्यार्थियों के साथ लविवि वीसी प्रो. आलोक कुमार राय। -संवाद

मिल चुका है। उन्हें 15 हजार रुपये की राशि के साथ कार्य अनुभव प्रमाणपत्र दिया जा चुका है। इस योजना के अंतर्गत 50 दिनों के लिए प्रति दिन दो घंटे की सीमा के साथ 150 रुपये प्रतिघंटा की दर से 15 हजार रुपये तक की धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्राप्त आवेदनों की जांच के लिए एक समिति गठित की थी, जिसमें विशेष रूप से एक छात्र प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया था। इस अवसर पर जम्मू विवि के कुलपति प्रो. उमेश राय, क्लस्टर विवि के कुलपति प्रो. बेचन लाल, डीन साइंस प्रो बृजेंद्र सिंह, डॉ. अलका मिश्रा, प्रो. संगीता साहू, प्रो. अमृतांशु शुक्ला आदि मौजूद थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

TOI PAGE 3

LU makes students Karmyogi, eases financial burden on kin

First Batch Completes Scheme Term

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Students were awarded work experience certificates under the scheme

Lucknow: The daughter of a farmer, Sujata is a PhD student of Lucknow University. Staying in the hostel, she has reduced the financial burden on her family by earning enough to pay her fees through LU's Karmyogi scheme.

Under the scheme, a student is paid Rs 150 for doing a job assigned by LU for two hours a day. A maximum of Rs 15,000 can be earned in an academic session.

Like Sujata, several students coming from financially weaker sections have supported their families by working for LU through this scheme. The scheme has also helped build their confidence and given them work experience.

LU awarded a work experience certificate to the first batch of students for 2021-22. They had worked for two hours for 50 days and were paid Rs 150 per hour, amounting to a total of Rs 15,000. The names of 50 selected students out of 245 who had applied for the next batch were announced by vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai and dean students welfare Prof Ponam Tandon during a function held on Friday.

"My father is a farmer in Ghazipur. To support my studies, he also worked as a mason. When I got to know about the scheme, I decided to support my family. Since I had good typing speed, I was assigned the task of a typist in LU's 'happy thinking' laboratory where I worked for around two hours per day and earned Rs 15,000. When my parents said they are arranging for hostel fees, I told them I have earned it and they were extremely happy," said Sujata, a research scholar in mathematics.

Also the son of a farmer, MSc (chemistry) student Govind Sharma daily travels from Malihabad to Lucknow.

"Karmyogi scheme came as a blessing as the amount earned from it helped me pay bus fare for my daily travel from my village to LU. I was assigned the task of data entry in the dean's office."

For MA (political science) student Pratibha Verma—whose father works in a private courier service—Karmyogi helped meet her conveyance expenses.

"Earlier I took tuitions to support my personal expenses but was not getting enough to reduce the financial burden of my parents. After being selected for Karmyogi, I was able to pay daily conveyance to attend classes in LU," said Pratibha, who maintained the departmental library.

YOGA EVENTS AT LU

A yoga workshop being organised at the Lucknow University campus

CITY FIRST

To commemorate Amrit Mahotsav, the 75th anniversary of the Independence of India and to mark the eighth International Yoga Day on 21 June 2022 various events have been initiated by the University of Lucknow since 28 May 2022 under the Common Yoga Protocol. The events are being held regularly on the university campus every day between 7 to 8 am and will continue till 21 June 2022.

Twelve seminars and eight workshops related to health, immunity, all-around development, well-being and happiness are being organised, which includes lectures by eminent experts in the respective field. Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai said that India is the mother of Yoga and the events organized by the University of Lucknow are extremely relevant in today's perspective and are an important step toward the mental and physical health of the society.

Sitapur, Lakhimpur, Rae Bareilly, Hardoi and Lucknow districts affiliated with Lucknow University are also being linked to this programs where 7500 students and teachers will do yoga together.

Meditation and yoga will be organised by experts so that teachers, employees, students and society can avail the benefit at 75 places in the Lucknow district along with the main and second campus of the University.